



03BB 611801

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 18,07,083/ रुपये।
रुपय पैपर अंकन : 1,80,800/ रुपये ।

मैं/हम कि जाहदाय पुत्र श्री लुटस निवासी ग्राम कवेडा चारसाबाद परगना व
तहसील दादरी जिला गीतमण्डनगर (फरीक अम्बल/विकेता) ।

एवम

मैसर्स व्यूजर रियाल स्टेट्स प्रा० लि० पर्यवेक्षित कार्यालय 33, कम्युनिटी सेंटर एन.
एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा श्री सुब्रह्मण्य सिंह पुत्र श्री सरूप सिंह, सी-131, गीतफव्यू
अपाटेमेंट, साकेत नई दिल्ली-17 अधिपूत इलाखारी (फरीक दोबम/केला) ।

18/07/17



श्री. बालराम अ. बालराम
श्री. बालराम अ. बालराम
श्री. बालराम अ. बालराम



श्री. बालराम अ. बालराम
श्री. बालराम अ. बालराम



GOVERNMENT OF INDIA

Letter

10.03.2006

10.03.2006

संज्ञा सं. 10.03.2006
संज्ञा सं. 10.03.2006

संज्ञा सं. 10.03.2006

Mr. Paul Satoh (11.2.06)
Delhi

1807083/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-

आकाश 24/- कास एरि. 5005/-



03BB 611802

(2)

1. वह कि छसरा नं० 800 रकबाई 1.524 हैक्टेयर का 1/4 भाग रकबाई 0.381 हैक्टेयर अनुसार खाता खातीनी संख्या 107 वर्ष 1409 से 1414 फसली स्थित ग्राम कचैडा वारसानाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (बुधनगर) का फरीक अव्वल (विक्रेता/विक्रेतागण) पूर्ण भाग का स्वामी, विक्रयाधिकारी व संक्रमणीय भूमिधर वर्ज कागजात है ।

2. विक्रीत भूमि मुह/हम फरीक अव्वल (विक्रेता) की पैतृक भूमि है जो मुह/हम फरीक अव्वल को अपने पूर्वजों से उत्तराधिकार में प्राप्त हुई है इससे पूर्व भूमि विक्रीत के मालिक व स्वामी मेरे पिता श्री सुट्टस पुत्र श्री मालिक थे

—चरित/श्री—
[Signature]

[Signature]

10/10/06
 स्टाफ नं० २००/११००
 स्टाफ नं० १००/११००
 स्टाफ नं० १००/११००
 स्टाफ नं० १००/११००

निम्नकी पहचान श्री विष्णु

चौधरी राम लाल

जयपुर वा. ११/१०/०६

जयपुर

चौधरी राम लाल

जयपुर वा. ११/१०/०६

विष्णु

नि चौधरी राम लाल



नि चौधरी राम लाल



क्याही भले प्रतीत होते हैं कि
 चौधरी नि चौधरी राम लाल

16/10/06
 जयपुर



03BB 611803

(3)

3. विक्रय भूमि संक्रमणीय भूमिधरी की कृषि भूमि है दर्ज मालकागजात है, जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है जिसका सरकारी सर्किल रेट 20,00,000/-रुपया प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र में सर्किल रेट से अधिक रूपया 47,43,000/-रुपया प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 18,07,083/-रुपये (अट्ठारह लाख सात हजार सिरासी रूपए मात्र) मूल्य पर सरकारी स्ट्याम्प अदा किया गया है

4. विक्रेता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रेता ने इस आशय का श्रीमान तहसीलदार महोदय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है।



39

संस्कृत विश्वविद्यालय

दस्तावेज

13 OCT 2006

दस्तावेज नं० ३, क्र० १२००

दस्तावेज नं० १२०० में शामिल किया गया

उप, रोड विद्या





03BB 611804

(4)

5. विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, चक्र, पट्टे आदि की भूमि नहीं है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है और न ही किसी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतु अधिग्रहण के लिये अधिसूचित की गयी है।

6. विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(i) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

चक्रवर्ती

39

ਪ੍ਰਤਿਬੱਧਤਾ ਦੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ
 ਵਾਲੀ
 13 OCT 2006
 ਸਟਾਫ਼ ਨੰਬਰ 1 ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ਿਤ
 ਸਟਾਫ਼ ਨੰਬਰ 1 ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ਿਤ
 ਉਪ. ਸੀ. ਡਿਓ





SQ

03BB 611805

(5)

7. विकीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ /हम फरीक अव्वल (विकेता) की ओर से हर प्रकार के ऋण बंधक, अन्य भार व सरकारी देनदारी, इकरानामा, विक्रय, वसीयत आदि दोषों से मुक्त है कही अन्य जगह आठ, रहन बय, हिस्से इकरार विक्रय वसीयत आदि दोषों से मुक्त है इस विक्रय भूमि से संबंधित कोई मामला किसी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही विचाराधीन है और न ही किसी निर्णित आदेश का क्रियान्वन सम्बन्धित है ।

11/04/22

कार्यालय उच्च न्यायालय

लखनऊ

13 OCT 2006

पत्रांक नं०. (१०७) कां०

स्थापन नं०. १, जे सामिल बिदा मता
उच्च न्यायालय





03BB 611806

(6)

8. मुझ/हम विक्रेता को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता संख्या 107 के खास नं० 800 रकबाई 1.524 हेक्टेयर का 1/4 भाग रकबाई 0.381 हेक्टेयर स्थित ग्राम कबैठा वारसाबाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमकुटुम्बनगर के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार प्राप्त है हम/मुझ विक्रेता को चाहे तो अपनी कारत एवं अन्य निजि आवश्यकताओं हेतु रुपयों की आवश्यकता है और मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत केता से मिल रही है । मैंने/हमने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ हितियों की दशा में समस्त मालिकाना, काबिजाना, दाखिल खारिजी कारत भण्ड हर किस्म



कोषाध्यक्ष एवं प्रमुख अधिकारी

उत्तराखण्ड

13 OCT 2006

स्टाफ नं०...६...ख०...१...में

स्थाप्य नं०...१...में शामिल किया गया

उप. लेखाधिका

2-





03BB 611807

(७)

का कच्चा यानि जो कुछ भी अधिकार मुझे/हमे विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशि अंकन 18,07,083/-रुपये (अट्ठारह लाख सात हजार तिरासी रुपए मात्र) जिसके आधे अंकन 9,03,541.50/- (नौ लाख तीन हजार पाँच सौ इकतालीस रुपए पचास पैसे मात्र) होते हैं, के एवज में व हाथ फरीक होयम कंता उपरोक्त मैसर्स व्यूलर रिअल स्टेट्स प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सेंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा श्री सुखबीर सिंह पुत्र श्री सरूप सिंह, सी-131, गोलफव्यू अपार्टमेंट, साकेत नई दिल्ली-17 अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बय कर दिया है यानि कतई बच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशि मुझ विक्रेता ने कंता से प्राप्त कर ली है और कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नहीं रही है ।

सहचर
[Redacted Signature]

[Handwritten Signature]

कार्यालय उच्च न्यायालय
 हादरी

13 OCT 2006

सदर नं० 7... ४०/१५०/२००६
 स्टांप नं०... ये कार्यालय किता गया
 उप. से. उया

2





SL

038B 611808

(8)

10. विक्रीत भूमि का कब्जा मूके पर कंटा को पूर्व रूप से करा दिया है जिसके कंटा पूर्णतः मालिक काबिज दाखिल बन गये हैं। उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि से सम्बन्ध सुखाधिकारों सहित जिस प्रकार चाहे बहसियत मालकाना प्रयोग में लावे ।

11. विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में बजरिये बैनामा दाखिल खातिज मालकागजात में कराकर कंटा का नाम दर्ज करवावेगा या वह स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुद्रा फरीक अव्वल से करा सकते हैं, मुद्रा फरीक अव्वल को कोई एतराज नहीं होगा। अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिल्कियत भूमि में निहित हित, व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व चारिसान विक्रेता का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है और न कभी रहेगा ।

चाहेल 17

39

कायदा-२००३ कायदा
 दान
 13 OCT 2006
 स्टाम्प नं०... की... को... काय
 स्टाम्प नं०... से शामिल किया गया
 अथ, लिंकडिया



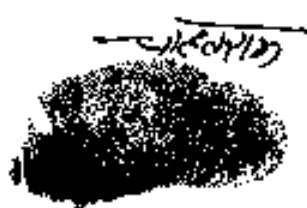


SQ

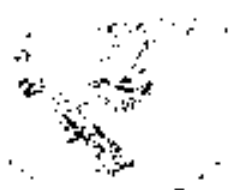
03BB 611809

(9)

12. विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थापनापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दायवसारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई उसका कोई अंश



39



राज्यलिंग ल. प. व. म. म. म.
 राजकी
 13 10 1955
 प्रमाण नं०... १५...
 स्थापन नं०... १...
 उप. रोडवेज





03BB 611810

(10)

क्रेता या उसके वारिसाण या स्थानापन के कब्जे से निकल आये, तो हर ऐसी दशा के उपन होने पर फरीक अव्वल/विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल आने वाली धूमि

चिह्नित

39

13 OCT 1966

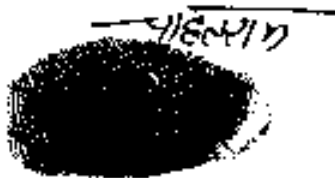




03BB 611811

(11)

की विक्रय धनराशि को मग हरजे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता के वारिसान की चल व अचल सम्पति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी।



39

१३ जून २००६
 स्थापन नं०...
 स्थापन नं०...
 उप. रोकड़िया

...
 ...

...
 ...
 ...





20/11/13

03BB 611812

(12)

13. यह कि फरीक अज्जल मे विक्रित भूमि के स्वामित्व से सम्बन्धित सभी मूल दस्तावेज (मूल बैचमा/ धनपत्रन्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति) तथा प्रमाणित खसरा, खतौनी, नक्शा, जाति, प्रमाण पत्र, तथा बारह साला जो विक्रेता के पास उपलब्ध है, उन्हें विक्रय के साथ-साथ क्रेता को सौंप देगा।

— 11/11/13 —



30

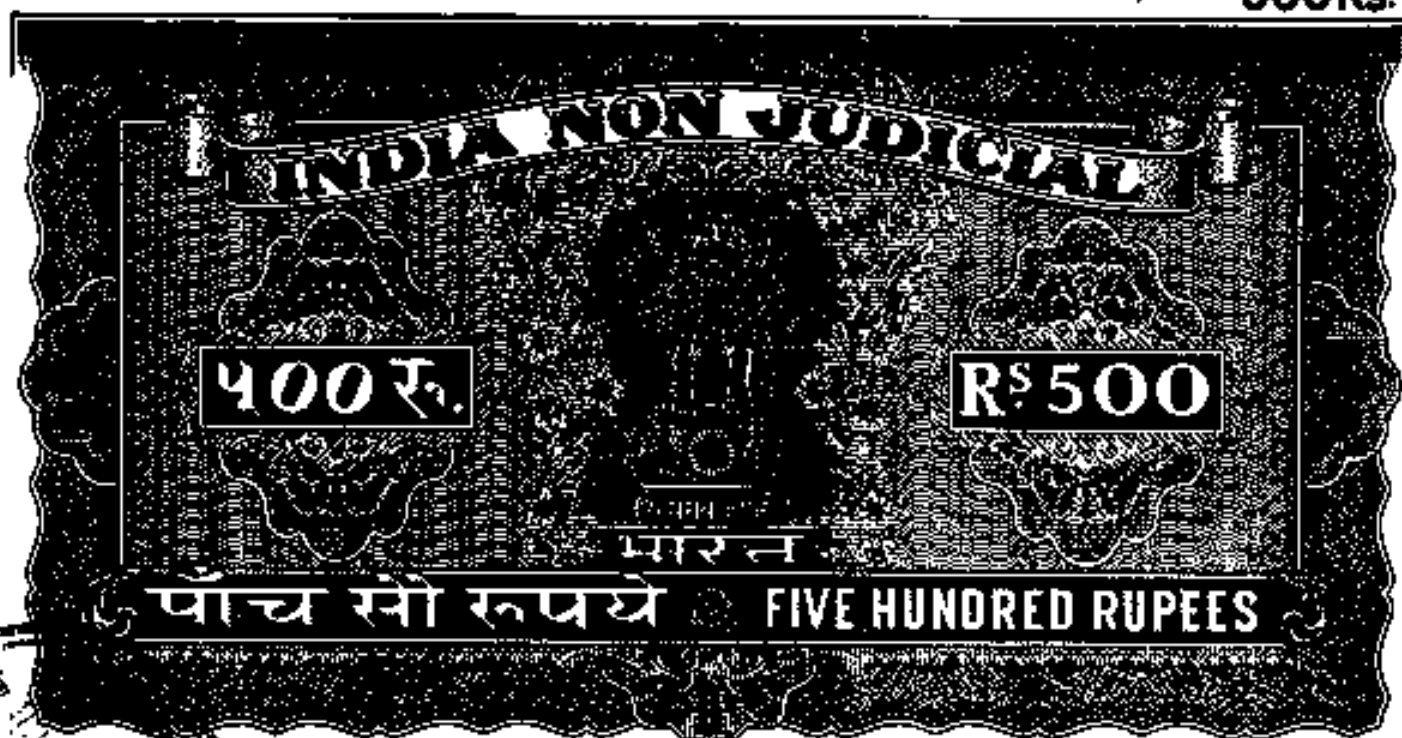


524

13 OCT 2006

स्वास्थ्य सं० १२... १२... १२...
स्वास्थ्य सं० १२... १२... १२...
स्वास्थ्य सं० १२... १२... १२...





(13)

14. चिह्न पत्र का समस्त चर्चा जेता में बहम किया है।

15. अतः यह चिह्न पत्र खूब सोच समझकर, सुनकर पढ़कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

— श्रीहरि २००७

— श्रीहरि २००७

कार्यालय उप निरीक्षक
रायपुर
13 OCT 2006
 प्रमाण सं. १३००/००००००००
 स्थान सं. १. में शामिल किया गया
 उप. रोड नं.

(१)
 प्रमाण सं. १३००/००००००००

प्रमाण सं. १३००/०००००००० में शामिल किया गया
 स्थान सं. १. में शामिल किया गया



एक सौ रुपये

रु. 100



सत्यमेव जयते

Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 139600

(14)

16. विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबा 0.381 हैक्टेयर खाता नं० 107 खसरा नं० 800 स्थित ग्राम कसैडा बारासाबाद परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशि प्राप्त कर ली है :-

— श्रीहराम —

— 30 —

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
काशी

13 OCT 2006

पत्र सं. 11/10/1/1000
स्थापन सं. 1000/1/1000
उप. रोडिया



एक सौ रुपये

रु. 100



सत्यमेव जयते

Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

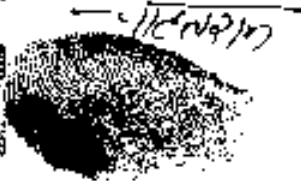
भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

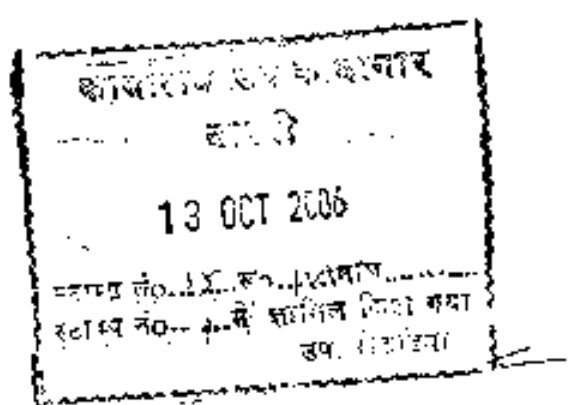
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 139663

(15)

कोटक महिन्द्रा बैंक लि० शाखा डी-960 फेडस कालौनी, नई दिल्ली बजरिये बैंक
नं० 000043 दिनांक 11.10.2006 द्वारा कुल एवं अंतिम धनराशि रु०
18,07,083/- (अट्ठासह लाख सात हजार तिरासी रु० मात्र) प्राप्त कर फरीक





रु. 100



सन्त्यमेव जयते

Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश **UTTAR PRADESH**

K 139664

(16)

॥ अब्बल ने अब अंतिम रूप से समस्त धनराशि प्राप्त कर ली है ।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर)
फरीक दोयम (क्रेता)

गुवाह नं० १

गवाह नं० २

श्री-विष्णु पुत्र श्री-विष्णु
निवासी ग्राम-चैतन्यपुराणा
तहसील-पापना
जिला-हनुमानगढ़

श्री गणेश पुत्र श्री राम
निवासीग्राम रामपुरा परगना रामपुरा
तहसील रामपुरा
जिला रामपुरा

तहरीर दिनांक 16.10.2006 मसौदाकर्ता जे.एन. सिंह, गडवोकेट गाजियाबाद

CHANDRA SINGH
C. No. 2000, A. No. 1000
Civil Court, Chhindigarh

16/10/06

केन्द्रीय पुस्तकालय
दिल्ली
13 OCT 2006
पुस्तक सं. 16/10/06 को फोटोस्टॉक
सं. 29 में शामिल किया गया
उप. रो. 16/10/06

पुस्तक सं. 16/10/06 को फोटोस्टॉक
प्रति पुस्तक सं. 29 में शामिल किया गया
के पुस्तक सं. 29 में शामिल किया गया
पर फोटोस्टॉक सं. 29 में शामिल किया गया

केन्द्रीय पुस्तकालय
दिल्ली



79-11022-31612

Value of

Certificates of 2006/07

particulars of registered act and encumbrances, if any, in respect that undemanded property.

(To be stated and described as given in the application)

the year 1985 to the year 31/8/86 of facts and circumstances affecting the said Property and that on such the following facts and encumbrances appears:-

[illegible]

Search made certificate

(Signature)

(Dehydration)

(Signature)

(Designation)

8244

NOTE

Signature of the Registrar

Registrar

- This certificate does not include documents if any which have been presented but have not been reobtained in accordance with the provisions of the law.

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

राष्ट्रीय प्रशासनिक सेवा
एन.टी.ए.ई.ई.

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

नमोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका
खता संख्या १२०० खसरा नंबर ६६६६ रकबा ६६६६६६ स्थित ग्राम ६६६६६६

परगना ६६६६६६ व तहसील ६६६६६६ जिला ६६६६६६
भूझे प्रार्थी को उपरोक्त भूमि में उपरल चढ़वा हाईटेक डेवलपर्स प्रा० लि०
को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की
आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की नूनि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०)
प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

राजेश कुमार शर्मा
२०/०५/२०२३



सेवा में

शाखा प्रमुखक

पंजाब नेशनल बैंक
काठमांडू (नेपाल)

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से मिले हुए है कि मुझ प्राथी / माधोगप ने अपनी भूमि
जिराका खाता संख्या 8022 इसका नम्बर 1072 एकड़ स्थित
ग्राम कंधा 72/नामभक्तपुर वरमाना का व एतसीत 1/11 स्थित
जिला उपमुख्य माली मुझ प्राथी को उपरोक्त भूमि भी उपलब्ध
मार्केट डेवेलपमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत है। इस कारण कम्पनी को बैंक से
अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ) की आवश्यकता है कि मुझ प्राथी की गृह
पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्राथी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ ओ
सीओ) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्राथी

महाश्री 21/11/2020

पंजाब नेशनल बैंक काठमांडू

21/11/2020
[Signature]
[Stamp]

जाति प्रमाण पत्र (उ०प्र० के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए)

014710201160937153

प्रमाणित किया जाता है कि श्री चाहरसम
 पुत्र श्री लुटटस निवासी / गांव कवैडा वारसाबाद
 तहसील दादरी नगर जिला गौतमबुद्धनगर
 उ०प्र० राज्य की गुजर पिछड़ी जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति उत्तर प्रदेश लोक सेवा
 (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 यथासंशोधित की
 अनुसूची एक के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है श्री चाहरसम
 पूर्वकत अधिनियम - 1984 (यथासंशोधित) की अनुसूची-2 (जैसा कि उ०प्र० लोक सेवा) (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित
 जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) (संशोधन) अधिनियम, 2001 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है एवं जो
 उ० प्र० लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) (संशोधन)
 अधिनियम, 2002 द्वारा संशोधित की गयी है) से आच्छादित नहीं है। इनके माता-पिता की निरन्तर तीन वर्ष की अवधि
 के लिए सकल वार्षिक आय तीन लाख रुपये या इससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धनकर अधिनियम 1957 में
 यथाविहित छूट सीमा से अधिक सम्पत्ति भी नहीं है।

श्री चाहरसम तथा / अथवा उनका परिवार उ० प्र० ग्राम कवैडा वारसाबाद
 तहसील दादरी नगर जिला गौतमबुद्धनगर
 में सामान्यतया रहता है।
 यह प्रमाण-पत्र राजस्व निरीक्षक, बिसरख की तसदीक पर जारी किया गया है।
 स्थान दादरी
 दिनांक 27-08-2006 कार्यालय की मुहर सहित



तहसीलदार
दादरी